34

- 9 OCT 2019

दैनिक भास्कर, जयपुर

अलवर अरबन कॉपरेटिव बैंक में 16.32 करोड़ रुपए के गबन का मामला

जिस इंस्पेक्टर को संदिग्ध मान एपीओ किया, अब उसी को एईओ लगाया

भास्कर न्यूज़ | अलवर

सरकार बदलने का किसी को फायदा हुआ हो या नहीं, लेकिन कॉपरेटिव विभाग के एक इंस्पेक्टर को जरूर हुआ है। मौजूदा सरकार ने अलवर के बहुचर्चित 16.32 करोड़ रुपए के अलवर अरबन कॉपरेटिव बैंक के गबन मामले में संदिग्ध भूमिका में रहे तत्कालीन इंस्पेक्टर सुनील गुप्ता को पदोन्नति के बाद अलवर में अलवर सेंट्रल कॉपरेटिव बैंक में अतिरिक्त अधिशाषी अधिकारी (एईओ) के पद पर तबादले की सौगात दी है। सुनील गुप्ता पर अलवर अरबन बैंक में सीधेतौर पर लापरवाही सहित कई आरोप साबित हो चुके और विभाग द्वारा जांच के बाद उन्हें चार्जशीट भी दी जा चुकी है।

गबन का मामला खुलने पर गुप्ता को एपीओ कर दिया गया था। फिलहाल विस्तृत जांच कार्मिक विभाग द्वारा की जा रही है। वर्तमान स्थिति यह है कि अलवर सेंट्रल कॉपरेटिव बैंक में एमडी का तबादला होने के बाद पद रिक्त है और एमडी का चार्ज भी सुनील गुप्ता के पास ही है। चूंकि एमडी का पद पहले से ही अलवर अरबन कॉपरेटिव बैंक का लिक्विडेटर भी है, ऐसे में तथ्यों व सबूतों से छेड़छाड़ की संभावनाएं भी पैदा हो गई हैं।

गबन के मास्टर माइंड ने सुनील को 15-20 लाख देने का लगाया था आरोप

अलवर अरबन कॉपरेटिव बैंक में हुए गबन के मास्टर माइंड अभिषेक जोशी ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को दिए गए बयान में तत्कालीन निरीक्षक सुनील कुमार गुप्ता को 15 से 20 लाख रुपए देने का आरोप लगाया है। बयान में जोशी ने 92 फर्जी खातों में बांटे 7.5 करोड़ रुपए का पूरा हिसाब व ब्यौरा ईडी को उपलब्ध कराया है।

यह था पूरा मामला

मामले के अनुसार नोटबंदी के बाद 19 नवंबर को अलवर अरबन कॉपरेटिव बैंक के सदस्यों का पैसा किशनगढ़बास में पुलिस की जांच के दौरान पकड़ा गया था। यह राशि करीब सवा करोड़ रुपए थी। इसके बाद पूरे मामले की विस्तार से एसओजी, ईडी और विभाग ने जांच की। परतें खुली तो यह करीब 16.32 करोड़ रुपए का गबन निकला। इसके आरोपी अभी जेल में हैं और एजेंसियां अपनी जांच कर रही हैं।